मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

BSKE–144

कला स्नातक उपाधि (ऑनर्स) संस्कृत

(बी. ए. एस. के. एच.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2026

बी.एस.के.ई.-144 : साहित्यिक आलोचना

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) इस प्रश्न-पत्र में दो खण्ड हैं। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं।*

(ii) सभी प्रश्नों के निर्धारित अंक अंकित हैं।

*(iii) सभी प्रश्नों के उत्तर एक ही भाषा (हिन्दी **अथवा** संस्कृत **अथवा** अंग्रेजी) में दिए जाने अनिवार्य हैं।*

खण्ड—अ

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं **आठ** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।*

8×10=80

1. साहित्यशास्त्र के उद्‌भव एवं विकास को स्पष्ट कीजिए।

2. आचार्य मम्मट के साहित्यशास्त्रीय अवदान को बताइये।
3. भामह, दण्डी, आनन्दवर्धन, विश्वनाथ आदि अन्य आचार्यों के काव्यप्रयोजन को स्पष्ट कीजिए।
4. आचार्य मम्मट के अनुसार काव्यकारण विषयक मत को स्पष्ट कीजिए।
5. काव्यभेद विषयक अन्य आचार्यों के मतों को बताइए।
6. आचार्य मम्मट के अनुसार लक्षणा शक्ति को विवेचित कीजिए।
7. आचार्य मम्मट के अनुसार व्यञ्जना शब्दशक्ति पर प्रकाश डालते हुए आर्थी व्यञ्जना के स्वरूपों को स्पष्ट कीजिए।
8. आचार्य मम्मट के अनुसार काव्यस्वरूप को स्पष्ट कीजिए।
9. भामह, दण्डी, आनन्दवर्धन आदि अन्य आचार्यों के काव्य-कारण को स्पष्ट कीजिए।

खण्ड—ब

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *पर टिप्पणियाँ लिखिए।*

$4 \times 5 = 20$

1. आचार्य भामह

2. मध्यम काव्य

3. अधम काव्य

4. शक्ति और निपुणता

5. शाब्दी व्यञ्जना

6. आर्थी व्यञ्जना

× × × × ×